पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.)/084/2012-14 प्रकाशित: 16.11.2014 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

अभिनन्दन समारोह

स्वामी आर्यवेश जी एवं
आचार्य धूमसिंह शास्त्री
रविवार, 23 नवम्बर
को सायं 5 बजे
आर्य समाज, विशाखा
एनक्लेव, दिल्ली
में सपरिवार पहुंचे
—रणसिंह राणा,प्रधान

वर्ष-31 अंक-12 मार्गशीर्ष-2071 दयानन्दाब्द 190 16 नवम्बर से 30 नवम्बर 2014 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.11.2014, E-mail : aryayouthn@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

योग को समर्पित व्यक्तित्व स्वामी दिव्यानन्द जी सरस्वती का ''अमृत महोत्सव'' सोल्लास सम्पन्न

स्वामी धर्मानन्द जी,स्वामी प्रणवानन्द जी,स्वामी अग्निवेश जी,स्वामी आर्यवेश जी,स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी,स्वामी विश्वानन्द जी,स्वामी धर्ममुनि जी,स्वामी रामवेश जी,डा.योगानन्द शास्त्री व सांसद श्री प्रवेश वर्मा, श्री प्रेम प्रकाश शर्मा, श्री देवेन्द्र पाल वर्मा अपनी शुभकामनायें देने पंहुचे

रविवार, 16 नवम्बर 2014, आर्य जगत के मूर्धन्य संन्यासी, योगनिष्ठ, सरल व्यक्तित्व स्वामी दिव्यानन्द जी सरस्वती का ''अमृत महोत्सव'' योग निकेतन, पंजाबी बाग, दिल्ली में स्वामी आर्यवेश जी (प्रधान,सार्वदेशिक सभा) की अध्यक्षता में सोल्लास मनाया गया। चित्र में स्वामी दिव्यानन्द जी को शाल व स्मृति चिन्ह भेंट करते डा. योगानन्द शास्त्री (पूर्व अध्यक्ष,दिल्ली विधान सभा), श्री दर्शन कुमार अग्निहोत्री, आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, स्वामी आर्यवेश जी, श्री वेद मिगलानी व संयोजक डा. अनिल आर्य। द्वितीय चित्र—सांसद श्री प्रवेश वर्मा का स्वागत करते डा. अनिल आर्य, स्वामी आर्यवेश जी, श्री सन्तराम आर्य व स्वामी आर्येश जी।

योग निकेतन सभागार में आर्य जनों की उपस्थिति का सुन्दर द्रश्य। द्वितीय चित्र—डा.योगानन्द शास्त्री सम्बोधित करते हुए, मंच पर—स्वामी धर्मानन्द जी, स्वामी आर्यवेश जी,स्वामी दिव्यानन्द जी, आचार्य प्रेमपाल शास्त्री व संयोजक डा.अनिल आर्य। ध्वजारोहण श्री मायाप्रकाश त्यागी जी ने किया। ब्रह्मा डा.नरेन्द्र वेदालंकार ने यज्ञ करवाया। इस अवसर पर राव श्री हरीशचन्द आर्य (नागपुर), श्री दर्शन अग्निहोत्री, डा. जयेन्द्र आचार्य, आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा, आचार्य योगेन्द्र शास्त्री, स्वामी सच्चिदानन्द जी, श्री ओम सपरा, श्री सन्तोष शास्त्री, श्री रामकृष्ण शास्त्री, श्री प्रवीन आर्य, श्री देवेन्द्रपाल वर्मा, श्री मनोहरलाल चावला, श्री यशोवीर आर्य, श्री रामकुमार सिंह, श्री वीरेन्द्र योगाचार्य, श्री रामखिलावन आर्य, माता सुषमा यति, श्रीमती विजयारानी शर्मा, श्री धर्मपाल आर्य, श्री रणसिंह राणा, श्री हरिओम दलाल, बहन पूनम व प्रवेश आर्या, श्री रविन्द्र मेहता, श्री चतरसिंह नागर, बहन गायत्री मीना, कै. अशोक गुलाटी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

प्रशस्ति पत्र का लोकापर्ण

स्वामी दिव्यानन्द जी को ''प्रशस्ति पत्र'' भेंट करते श्री देवेन्द्रपाल वर्मा, स्वामी धर्मानन्द जी, स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी, स्वामी सोम्यानन्द जी, स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी आर्येश जी, स्वामी रामवेश जी, डा.ओमप्रकाश मान, स्वामी आर्यवेश जी, प्रो.सारस्वत मोहन मनीषी व डा. अनिल आर्य। लगभग 1200 से अधिक श्रद्वालु आर्य जनों ने समारोह में पंहुँच कर कार्यकम को सफल बनाया व सभी के लिये नाश्ता व प्रीति भोज का सुन्दर प्रबन्ध किया था जो कि प्रातः काल 9 बजे से सायं काल 4 बजे तक चलता रहा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के बैन्ड ने स्वामी जी का भव्य स्वागत किया व सारी ऋषि लंगर व्यवस्था सम्भाली।

बाघा सीमा विस्फोट हमारे लिए ज्यादा चिंताजनक

— अवधेश कुमार

बाघा सीमा पर पाकिस्तान की ओर हुए भयानक आत्मघाती विस्फोट की कई परतें अब खुल चुकीं हैं, पर पूरा सच सामने आना शेष है। निस्संदेह, इसे हर दृष्टि से भयावह एवं भविष्य के लिए चिंताजनक माना जाएगा। भारत–पाकिस्तान सीमा पर ध्वजों को नीचे उतारने के लिए आयोजित रीट्रिटिंग समारोह में दोनों ओर भारी संख्या में लोग एकत्रित होते हैं। वह समारोह दुनिया में अपने किस्म का अनोखा है। दोनों और आम नागरिकों की संख्या इतनी अधिक होती है कि वहां अगर कोई चाहे तो कोहराम मचा सकता है। आतंकवादियों के लिए अधिक जन हानि पहुंचाने के लिए समारोह का समय सबसे अनुकूल माना जाएगा। तो आतंकवादियों ने इस अनुकूल समय और स्थान का भयानक उपयोग करने में सफलता पा ली। वैसे तो पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाएं इतनी हो गई हैं कि अब इसे दुनिया की मीडिया सुर्खियां तो छोड़िए गई कई बार खबर भी नहीं बनाती। पर बाघा सीमा पर यह पहली बार हुआ है और उसमें 60 से ज्यादा लोगों का मरना एवं उसके चार गुणा से ज्यादा का घायल होना सामान्य बात नहीं है। विस्फोट इतना तगड़ा था कि आसपास के दुकानों तक को भारी नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तानी पुलिस के मुताबिक आत्मघाती हमलवावर अपने साथ करीब 20 से 25 किलो विस्फोटक लाया था। इसमें से कुछ विस्फोटक उसने अपने जैकेट के अंदर छिपा रखा था।

लेकिन यह भारत की सीमा में किया जाना था यह निष्कर्ष भी जल्दबाजी है। साथ ही तहरीक ए तालिबान की धमकी कि आगे हम उस ओर भी धमाका करेंगे के आधार पर इसका मूल्यांकन भी हमें अतिवादी व्याख्या को बाध्य करेगा। कश्मीर में हमले और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बदला लेने की बात भी कोई नई नहीं है। हां, हम इसे एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल नहीं सकते पर इसके आलोक में ही बाघा सीमा विस्फोट का मूल्यांकन किया जाए यह उचित नहीं होगा। निस्संदेह, हमला पूर्व नियोजित था। हां यह कहना मुश्किल है कि आत्मघाती आतंकवादी ने हमले का समय स्वयं चुना या फिर वह उसके सामने उसी जगह और समय अपने का उड़ा देने की मजबूरी पैदा हो गई थी, पर जो समय था वह आतंकतवादियों की योजना के अनुकूल था.....जब रेंजर परेड समारोह देखने के बाद काफी बड़ी संख्या में लोग बाहर निकल रहे थे। रविवार का दिन, भीड़ अधिक और उसने एक निकासी द्वार के पास स्वयं को उड़ा दिया। आतंकी संगठन जुनदुल्लाह और जमात–उल–अहरर ने विस्फोट के बाद ही बयान जारी कर बता दिया कि ये हमने कराये हैं। इन संगठनो को अल कायदा से जुड़ा माना जाता रहा है। इसके द्वारा जिम्मेवारी लेने का इतना असर तो हुआ कि कम से कम भारत इल्जाम से बच गया है।

उस पार के सुरक्षा प्रबंधों की यहां बातें की जा सकती हैं। एक रिपोर्ट में एक सवाल के जवाब में वहां के आईजी का वक्तव्य है कि रेंजरों ने कड़े सुरक्षा उपाय किए थे लेकिन आत्मघाती हमलावर की जांच करना मुश्किल था। मुहर्रम के मद्देनजर पुलिस ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए थे। आईजी ने कहा कि हमें रिपोर्टें मिली थीं कि कुछ प्रतिबंधित संगठन शियाओं, धार्मिक हस्तियों , जन रैलियों और महत्वपूर्ण इमारतों को निशाना बना सकते हैं। एक में आईजी का वक्तव्य है कि आत्मघाती हमलावर सीमा पर परेड ग्राउंड के गेट पर रुका और जब लोग गेट के पास एकत्र हुए तो उसने बम में विस्फोट कर दिया। दूसरी ओर पंजाब पुलिस के प्रमुख मुश्ताक अहमद सुखेरा ने कहा कि फिदायीन हमलावर को वाघा बॉर्डर के परेड ग्राउंड के चेक पोस्ट पर जैसे ही रोका गया, उसने ब्लास्ट कर दिया। उस समय वहां काफी लोग मौजूद थे। स्पष्ट है कि इनमें से सच तो एक ही होगा। पाकिस्तान की बिगड़ती सुरक्षा व्यवस्था में इस प्रकार के बयान अस्वाभाविक नहीं हैं।

किंतु हमारे लिए पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था से ज्यादा चिंता कारण उस स्थान पर विस्फोट होना है। यह इसलिए क्योंकि बाघा सीमा पर ऐसा कभी नहीं हुआ। वहां सुरक्षा व्यवस्था भी तगड़ी होती है। प्रति दिन ध्वज नीचे उतारने का समारोह वर्षों से आयोजित हो रहा है और इसे देखने के लिए सीमा के दोनों ओर के नागरिक भारी संख्या में एकत्र होते हैं। विशेष रोमांच का क्षण होता है। उस जगह विस्फोट का पहला अर्थ तो यही है कि वे समारोह से लोगों को दूर करने के लिए भय पैदा करना चाहते थे। लेकिन क्यों? उस समारोह से उन्हें क्या समस्या हो सकती है? साफ है कि भारत पाकिस्तान के बीच किसी प्रकार के संपर्क संवाद के वे खिलाफ हैं। शायद यह प्रमुख कारण रहा हो। शायद पाकिस्तान में जिस तरह उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है उससे भी उनकी नाराजगी हो, और वे नवाज शरीफ के गृहप्रदेश में एकदम सीमा पर विस्फोट से उन्हें चेतावनी दे रहे हों। ऐसा लगता है कि वे यह संदेश भी देना चाह रहे हैं कि हमारी ताकत केवल सिंध, फाटा, खैबर पख्तूनख्वा यानी पश्चिम भागों में ही नहीं है, हम पूर्वी भाग और भारतीय सीमा से लगे जम्मू कश्मीर के इलाकों के अलावा भी हिंसा का सामर्थ्य रखते हैं। इस संदेश का अलग खतरनाक तात्पर्य है। हलांकि समारोह को तीन दिनों तक रोकने के फैसले को खत्म कर रीट्रीट को आयोजित करने का फैसला बिल्कुल सही है। इससे आतंकवादियों को कठोर संदेश गया है और जनता भी भारी संख्या में दोनों ओर उपस्थित हुई।

वैसे भी बाघा बोर्डर हमारे यहां अमृतसर से लाहौर को जोड़ने वाला एकमात्र संपर्क द्वार है, जहां से दोनों तरफ के नागरिक सबसे ज्यादा संख्या में आते हैं। बसें भी वहां से आतीं जातीं हैं। तनाव के बीच भी बसें चालू हैं। तो एक कारण समझ में आता है। लेकिन आतंकवाद का जम्मू कश्मीर से लगे सीमा या नियंत्रण रेखा के अलावा अन्य राज्यों की सीमाओं तक आ जाना हमारे लिए चिंता का कारण है। हालांकि इसके पूर्व भी पाकिस्तान वाले पंजाब के कई इलाकों में आतंकवादी हमले हुए हैं, जिसमें हमारी सीमा से कुछ ही दूरी पर स्थित पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र भी शामिल है। पर आम तौर पर पंजाब शांत माना जाता था। प्रधानमंत्री नवाज भारीफ अपने गृह प्रदेश को लेकर कुछ ज्यादा चौकस रहते हैं। साफ है कि आतंकवादियों ने उन्हें भी कुछ संदेश दिया है। अगर वे उस संदेश को ठीक से समझते हैं तो यह उन्हें भारत के खिलाफ और कड़े रुख अपनाने को बाध्य करने वाला है।

इन सबके हमारी सुरक्षा की दृष्टि से संकेत खतरनाक हैं। एकदम सीमा पर इस हमले ने भविष्य के लिए कई प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अभी पिछले अगस्त के अंत में राजस्थान के आतंकवाद निरोधी दस्ते की ओर से यह खबर आई थी कि गृहमंत्रालय ने सीमा पार से 15 खूंखार आतंकवादियों के घुसपैठ की कोशिश की आशंका जताई है। उसके बाद सीमा सुरक्षा बल ने जैलमेर, बाड़मेड़ और श्रीगंगानगर की सीमा पर सुरक्षा चौकसी बढ़ा दी। अब संभवतः पंजाब सीमा पर भी ऐसी ही स्थिति पैदा हो जाए। वैसे तो पहले से चौकसी है, लेकिन आतंकवादियों के इन रास्ते प्रवेश या विस्फोट करने की आशंका अभी तक नहीं थी। तो क्या ये जम्मू कश्मीर सीमा पर तनाव और गोलीबाड़ी का लाभ उठाकर स्थिति को और बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं? हां और शरीफ सरकार यदि तत्काल इससे बचने के लिए वर्तमान स्थिति को बनाए रखने की नीति अपनाती है तो फिर बताने की आवश्यकता नहीं कि क्या होगा।

बहरहाल, पाकिस्तान इससे किस तरह निपटता है यह पाकिस्तान जाने। कई गिरफ्तारियां होने की बात कही जा रहीं हैं। पाकिस्तान हमारा तो किसी तरह का सहयोग ले नहीं सकता, पर भारत के लिए तो अपनी सीमाओं के साथ आंतरिक सुरक्षा के प्रति ज्यादा सतर्क और किसी भी प्रतिकूल स्थिति से निपटने की दृष्टि से ज्यादा तैयार रहने की विवशता पैदा हो रही है। वैसे भी पेंटागन रिपोर्ट ने साफ कर दिया है कि भारत विरोधी आतंकवादियों को पाकिस्तान का हर प्रकार का सहयोग और समर्थन जारी है। आत्मघाती हमलावर से निपटना आसान नहीं होता। हमारी सीमा पर कई स्थान ऐसे हैं जहां एक दूसरे के इलाके से होकर गुजरना पड़ता है। कोई रेंजर के वेश में आकर विस्फोट कर दे। कुछ भी हो सकता है। यह पंजाब में आतंकवाद के दौर के बाद हमारे लिए एकदम नई चुनौतियां पैदा होने का संकेत हो सकता है। हो सकता है इस समय इसे अतिवादी आकलन मान लिया जाए। पर यह न भूलिए कि हाल ही मे अल कायदा ने पूरे क्षेत्र के लिए अलग से अपनी ईकाई का ऐलान किया है जिसका कमांडर भी नियुक्त कर दिया गया है। कहा जाता है कि वह कमांडर भी कोई भारतीय है जिसके जिम्मे भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश..... आदि देश आते हैं।

–ई.–30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्लीः110092,
दूर.:01122483408, 09811027208

30 नवम्बर को मंगोलपुरी चलो

आर्य समाज, मंगोलपुरी, दिल्ली का वार्षिकोत्सव रविवार, 30 नवम्बर 2014 को सांय 2.30 बजे से 5.30 बजे तक जे.ब्लाक पार्क में मनाया जायेगा। आचार्य गवेन्द्र शास्त्री के प्रवचन व श्री अंकित उपाध्याय के मधुर भजन होंगे।

–धर्मपाल आर्य, मन्त्री

वैदिक भक्ति आश्रम रोहतक व आर्य समाज रमेश नगर का उत्सव सम्पन्न

वीरवार, 6 नवम्बर 2014, आर्यो के तीर्थ स्थल वैदिक भक्ति आश्रम, आर्य नगर, रोहतक का शरद उत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में डा. सुरेन्द्र कुमार (अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक) का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, प्रधान श्री दर्शन अग्निहोत्री व श्री रणसिंह राणा आदि। द्वितीय चित्र–शनिवार, 8 नवम्बर 2014, परिषद् की आर्य समाज, रमेश नगर, दिल्ली की बैठक में प्रधान श्री नरेन्द्र आर्य सुमन का स्वागत करते डा.अनिल आर्य, श्री सत्यपाल नांरग, श्री सुभाष वधवा, श्री धर्मपाल आर्य, श्री नरेश विज, श्री मायाराम शास्त्री आदि।

आर्य समाज राणा प्रताप बाग व मालवीय नगर, दिल्ली का उत्सव सम्पन्न

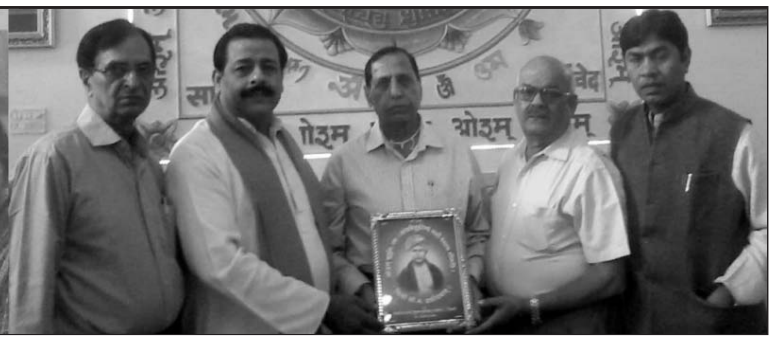

रविवार, 9 नवम्बर 2014, परिषद् की बैठक आर्य समाज, राणा प्रताप बाग, दिल्ली में प्रधान श्री राकेश सखूजा का स्वागत करते डा. अनिल आर्य, श्री हर्ष तनेजा, श्री ओम सपरा, श्री वीरेन्द्र आहूजा, श्री के.के.सेठी,श्री पी.डी.शर्मा, श्री संजीव आर्य, श्री रमेश डावर, श्री अभयदेव शास्त्री व श्री नेत्रपाल आर्य। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, मालवीय नगर, दिल्ली के उत्सव पर प्रधान श्री एच.एन.मिथरानी का स्वागत करते डा.अनिल आर्य, श्री विनोद कद, श्री वी.पी.वधवा व श्री आरक्षित शास्त्री।

आर्य समाज, अमर कॉलोनी व अशोक विहार, दिल्ली का उत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 9 नवम्बर 2014, आर्य समाज, अमर कालोनी, नई दिल्ली का वार्षिक उत्सव श्री जितेन्द्र डावर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। चित्र में भाजपा नेता श्रीमती शिखा राय को सम्मानित करते डा. अनिल आर्य, श्री जितेन्द्र डावर, श्री महावीरसिंह आर्य, श्री के.एल.राणा, श्री ओमप्रकाश छाबड़ा, श्री ओ.पी.भाटिया, श्री राजेश मेहन्दीरता आदि। संचालन श्रीमती अर्चना पुष्करना ने किया। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, अशोक विहार, फेज–1, दिल्ली के उत्सव पर मुख्य यज्ञमान डा. सुभाष दता को जन्म दिवस की बधाई देते डा.अनिल आर्य, प्रधान श्री राममेहर सिंह, मंत्री श्री जीवनलाल आर्य, श्री शान्तिलाल आर्य, श्री सतीश शास्त्री, श्री संजय कपूर, श्री वेदप्रकाश भगत व आचार्य सत्यदेव जी।

दिल्ली चलो ओ३म् दिल्ली चलो

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 36 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में

आर्य नेता, शिक्षाविद् **डा. अशोक कुमार चौहान** के सानिध्य एवं
युवा वैदिक विद्वान डा. जयेन्द्र आचार्य के ब्रह्मत्व में

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ एवम्

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक : 24, 25, 26 जनवरी 2015 (शनि, रवि व सोमवार)

स्थानः कमल पार्क, सफदरजंग एनक्लेव (निकट ग्रीन पार्क मैट्रो स्टेशन) नई दिल्ली–29

विराट् शोभा यात्राः शनिवार 24 जनवरी 2015, प्रातः 10:30 बजे

शुभारम्भः कमल पार्क, सफदरजंग एनक्लेव, दिल्ली से प्रारम्भ होगी

1. दिल्ली के बाहर से आने वाले आर्य बन्धु अपने पधारने की संख्या के बारे में 31 दिसम्बर 2014 तक सूचित करने की कृपा करें जिससे भोजन व आवास आदि का उचित प्रबन्ध किया जा सके।
2. कृपया यजमान बनने के इच्छुक आर्य बन्धु व आर्य समाजें अपना यज्ञकुण्ड 31 दिसम्बर 2014 तक फोन नः श्री प्रकाश वीर–9811757437, श्री ओम बीर–9868803585, श्री सत्यपाल–9899200447, श्री राणा जी–9868089983 पर आरक्षित करवा लें।

हज़ारा की सख्या म पहुचकर आय समाज की विराट् सगठन शक्ति का परिचय दें

अपील

इस रचनात्मक विशाल कार्यक्रम में आपका तन, मन, धन से सहयोग अपेक्षित है
कृपया दानराशी क्रास चैक/ड्राफ्ट द्वारा ''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली''
के नाम से कार्यालय के पते पर भिजवायें। ऋषि–लंगर के लिए आटा, दाल, चावल,
चीनी, शुद्ध घी, रिफाईन्ड, सब्जी आदि खाद्य सामग्री देकर पुण्य के भागी बनें

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली–110007, मो. 9868661680

परिषद् अध्यक्ष डा. अनिल आर्य का जन्मोत्सव सोल्लास सम्पन्न

शुकवार, 14 नवम्बर 2014, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य का जन्मोत्सव आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली में सोल्लास मनाया गया। आचार्य महेन्द्र भाई व आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने यज्ञ करवाया। प्रान्तीय संचालक श्री रामकुमार सिंह, श्री धर्मपाल आर्य, श्री सुरेश आर्य, श्री दिनेश आर्य, श्री सौरभ गुप्ता, श्री अरूण आर्य, श्री माधव आर्य आदि साथियों ने बधाई व शुभ कामनायें प्रदान की। प्रीतिभोज का आनन्द लेकर सभी विदा हुए।

आर्य समाज दिलशाद गार्डन का वार्षिकोत्सव सोल्लास मनाया गया

रविवार, 9 नवम्बर 2014, आर्य समाज, दिलशाद गार्डन, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास मनाया गया। चित्र में विशिष्ट अतिथि डा. अनिल आर्य को सम्मानित करते प्रधान श्री जवाहर भाटिया, स्वामी सच्चिदानन्द जी व श्री सोमदेव कथुरिया। द्वितीय चित्र में श्रीमती सरोज–जवाहर भाटिया का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, श्री यशोवीर आर्य, श्री रामकुमार सिंह, श्री चन्द्रपाल भारद्वाज व श्री महेन्द्र भाई। श्री ऋषि राघव के भजन सभी ने पसन्द किये। श्री सुरेश मुखीजा ने मंच संचालन किया। मन्त्री श्रीमती अरूणा मुखी ने आभार व्यक्त किया।

आर्य समाज डिफेन्स कालोनी का उत्सव व माता कृष्णा रहेजा स्मृति दिवस सम्पन्न

रविवार, 9 नवम्बर 2014, आर्य समाज, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली का उत्सव श्री आनन्द चौहान के सान्निध्य में सोल्लास मनाया गया। स्वामी विवेकानन्द जी (रोजड़) के प्रवचन हुए। मन्त्री श्री अजय सहगल ने कुशल संचालन किया। चित्र में प्रधान श्री अजय चौहान का स्वागत करते डा.अनिल आर्य। द्वितीय चित्र–मंगलवार, 4 नवम्बर 2014, आर्य समाज सैनिक फार्मस, नई दिल्ली के तत्वावधान में माता कृष्णा रहेजा जी की 7 वीं पुण्य तिथि पर वैदिक संत्संग का आयोजन किया गया। आचार्य अखिलेश्वर जी ने यज्ञ करवाया व श्रीमती अर्चना माथुर व श्री अकिंत उपाध्याय के मधुर भजन हुए। चित्र में श्रीमती निर्मल व नवीन रहेजा दीप प्रज्जवलित करते हुए। स्वामी महेशानन्द जी, श्री कन्हैयालाल आर्य, डा.अनिल आर्य, श्री चतरसिंह नागर, श्री वीरेश रहेजा, श्री सुरेश रहेजा, डा. सुनील रहेजा, श्री प्रवीन रहेजा, श्रीमती अन्जली मेहता, श्री योगराज अरोड़ा, श्रीमती संध्या बजाज, श्री सत्यकाम आर्य, श्री श्रीमती संजना राणा, श्रीमती इन्दु, आचार्य महावीर शास्त्री आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

आर्य समाज नया गंज, गाजियाबाद व आर्य समाज, सफदरजंग एनक्लेव का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 2 नवम्बर 2014, आर्य समाज, नया गंज, गाजियाबाद का वार्षिकोत्सव सोल्लास मनाया गया। चित्र में प्रधान श्री तेजपाल सिंह आर्य को सम्मानित करते डा. अनिल आर्य, श्री प्रवीन आर्य, आचार्य भानुप्रताप शास्त्री आदि। द्वितीय चित्र–रविवार, 2 नवम्बर 2014, परिषद् की बैठक आर्य समाज, सफदरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली में समाज के उपप्रधान श्री बाबुराम गुप्ता का स्वागत करते डा. अनिल आर्य, श्री सुशील आर्य, श्री चतरसिंह नागर, श्री श्री कान्त शास्त्री, श्री प्रकाशवीर शास्त्री, श्री राजेश मेहन्दीरता व श्री देवदत आर्य।

शोक समाचार

1 वैदिक विद्वान प्रो. उमाकान्त उपाध्याय, कोलकता का गत दिनों निधन हो गया।
2. श्रीमती यशोदादेवी कालरा, फरीदाबाद का गत दिनों निधन हो गया।
3. श्री विश्वमित्र ठुकराल, दिल्ली का गत दिनों निधन हो गया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970